अर्थ आवर: 25 मार्च को 1 घंटा बिजली बंद रखें

- पिछले साल, अर्थ आवर पर दिल्ली के लोगों ने की थी 230 मेगावॉट बिजली की बचत
- बीएसईएस उपभोक्ताओं ने बचाई थी 207 मेगावॉट बिजली

नई दिल्ली: 21 मार्च, 2017। बीएसईएस ने अपने लगभग 40 लाख उपभोक्ताओं से अपील है कि वे आगामी 25 मार्च को पूरे जोश के साथ अर्थ आवर मनाएं, और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व कार्यस्थलों की गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी दिल्ली में 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

अर्थ आवर 2017 के लिए नारा है: *मैं हूं अर्थ आवर सुपर हीरो/ क्या आप हैं... /* इस बार अर्थ आवर में दुनियाभर के नागरिकों से न सिर्फ एक घंटे के लिए गैरजरूरी लाइट्स को स्विच ऑफ रखने की अपील की गई है, बल्कि सौर ऊर्जा को भी अपनाने की सलाह भी दी गई है। उल्लेखनीय है कि बीएसईएस ने रूफ टॉप सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए, अब तक कुल 10 मेगवॉट की क्षमता वाले 300 रूफ टॉप सोलर कनेक्शन दिए हैं।

अर्थ आवर को सफल बनाने के लिए बीएसईएस एक अभियान चला रही है। बिजली बिल के साथ भेजे गए न्यूज लेटर *सिनर्जी* के माध्यम से लगभग 40 लाख उपभोक्ताओं से अर्थ आवर मनाने की अपील की गई है। इसके अलावा, करीब 10 लाख उपभोक्ताओं को अर्थ आवर से संबंधित एसएमएस भी भेजे जा रहे हैं। ईमेल और बीएसईएस बेवसाइट के माध्यम से भी अर्थ आवर का संदेश फैलाने की कोशिश की जा रही है। अपने ऑफिसों में भी बीएसईएस ने अर्थ आवर से संधित पोस्टर आदि लगाए हैं, ताकि लोगों के बीच जागरूकता आए। कंपनी के अपने हजारों कंप्यूटर– डेस्कटॉप्स पर भी अर्थ आवर से संबंधित मैसेज डाले हैं। गौरतलब है कि अपने सभी ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान बीएसईएस गैरजरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

गौरतलब है कि पिछले साल दिल्ली में अर्थ आवर के दौरान 230 मेगावॉट बिजली बचाई गई थी, जिसमें बीएसईएस के उपभोक्ताओं ने 207 मेगावॉट बिजली की बचत की थी।

बीएसईएस प्रवक्ता के मुताबिक– अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। यह सिर्फ एक घंटे का मसला नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करना होगा। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर धरती मां के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारी बनती है। अर्थ आवर जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

बीएसईएस के अनुसार– अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

अर्थ आवर, डबलूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का सालाना कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों और कार्यस्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें। इस बार दिल्ली के अलावा, मुंबई, लॉस एंजेल्स, लंदन, हॉन्ग कॉन्ग, सिडनी, रोम मनीला, सिंगापुर और दुबई समेत 7000 शहरों में वहां के समय के अनुसार रात साढे आठ बजे से रात साढे नौ बजे तक अर्थ आवर मनाया जा रहा है।